लॉ कॉलेजों की परीक्षाओं की कॉपियां ऑनलाइन जांची जाएंगी

जयपुर | प्रदेश के 80 लॉ कॉलेजों के छात्रों की परीक्षा की कॉपियां ऑनलाइन जांची जाएंगी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी ने पहली बार इसकी शुरूआत की है। इसके लिए यूनिवर्सिटी ने एक ऑनस्क्रीन इवेल्यूएशन सिस्टम तैयार किया है। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. देव स्वरूप की उपस्थिति में बुधवार को सभी परीक्षकों को ऑनलाइन डेमो दिया गया। कुलपति ने कहा कि नवाचारों को प्रोत्साहन दे रहे हैं एवं तकनीक के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण तथा समयबद्ध ढंग से मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। इस प्रणाली से परम्परागत रूप से होने वाली परीक्षा सम्बन्धी परेशानियों से बचा जा सकेगा वहीं लाखों छात्रों का परीक्षा परिणाम समय पर घोषित हो सकेगा तथा सारा रिकॉर्ड डिजिटल फॉर्म में सुरक्षित रखा जा सकेगा। गौरतलब है कि लॉ यूनिवर्सिटी ने प्रदेश के लॉ कॉलेजों की संबद्धता का काम जो पूरे वर्ष चलता था उसे ऑनलाइन इंस्पेक्शन करके सत्र शुरू होने से पहले पूरा किया है।

अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय में शुरू हुई ऑन स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली

प्रदेश के 80 लॉ कॉलेजों के पाठ्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं की ऑनलाइन जांच

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालय से सम्बद्ध प्रदेश के सभी 80 विधि महाविद्यालयों में भिन्न-भिन्न विधि पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन अब ऑनलाइन किया जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक सॉफ़्टवेयर तैयार किया गया है, जिसे ऑनस्क्रीन इवैल्यूएशन सिस्टम नाम दिया गया है। कुलपति डॉ. देव स्वरूप की उपस्थिति में सभी परीक्षकों को ऑनलाइन डेमो दिया गया, जिससे वे सिस्टम की कार्यप्रणाली को समझ सकें। सभी परीक्षकों ने एक स्वर में कहा कि यह एक अनूठा प्रयोग है, जो बहुत आसान तो है ही वर्तमान संदर्भ में बहुत उपयोगी एवं आवश्यक है। प्रदेश का अम्बेडकर विधि यूनिवर्सिटी ऑन स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली शुरू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है।

नवाचारों को मिला प्रोत्साहन

कुलपति डॉ. देव स्वरूप ने कहा कि हम नवाचारों को प्रोत्साहन दे रहे हैं एवं तकनीक के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण तथा समयबद्ध ढंग से मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रणाली से जहां एक ओर परम्परागत रूप से होने वाली परीक्षा सम्बन्धी परेशानियों से बचा जा सकेगा। वहीं दूसरी ओर लाखों छात्रों का परीक्षा परिणाम समय पर घोषित हो सकेगा तथा सम्पूर्ण रिकॉर्ड डिजिटल फॉर्म में सदैव सुरक्षित रखा जा सकेगा। हमारी इस पहल का आने वाले समय में अन्य विश्वविद्यालय भी जरूर अनुसरण करेंगे। यह इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। ज्ञात हो कि डॉ. भीमराव विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों की संबद्धता का कार्य जो पूरे वर्ष चलता था, उसे ऑनलाइन इन्स्पेक्शन माध्यम से पूर्ण कर सत्र शुरू होने से पहले ही सभी विधि महाविद्यालयों को संबद्धता भी प्रदान कर दी गयी है जो अपने आप में एक मिसाल है।